भारत सरकार

(जनजातीय कार्य मंत्रालय)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. †3415

उत्तर देने की तारीख 09.08.2021

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के लिए संग्रहालय

†3415. श्री सुरेश पुजारी:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार सम्बलपुर के वीर सुरेंद्र साय, बारगढ़ में घेंस से माधो सिंह, हती सिंह, कुंजाल सिंह, बैरी सिंह आदि, ओडिशा में झारसुगुड़ा के लखनपुर, कोलाबीर आदि के जमींदार जैसे भारत के गौरवशाली आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में बारगढ़ या झारसुगुडा से आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक संग्रहालय स्थापित करने पर विचार करेगी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का इस मामले को राज्य सरकार के समक्ष उठाने का विचार है और पश्चिमी ओडिशा के उन आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में बारगढ़ में एक संग्रहालय की स्थापना की गई है, जिन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से बहुत पहले अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, और या तो उन्हें फांसी दे दी गई या गोली मार दी गई या आजीवन कारावास की सजा दी गई या जीवित रहने के लिए निर्वासित कर दिया गया और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या मंत्रालय का ऐसे इतिहास का पुनर्लेखन कराने और भारत माता के उन गौरवशाली सपूतों के विरासत स्थलों की रक्षा, रखरखाव और सुधार करने का विचार है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री

(श्रीमती रेणुका सिंह सरुता)

(क) से (ग): वर्तमान में राज्य सरकार की ओर से बारगढ़ या झारसुगुड़ा से जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के लिए संग्रहालय स्थापित करने का ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को सहायता' योजना के तहत राज्य जनजातीय कल्याण विभाग अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने वाले जनजातीय लोगों की वीरता और देशभक्ति के कार्यों को मान्यता देने के लिए स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय की स्थापना हेतु बजटीय आवश्यकता सहित विस्तृत कार्य योजना मंत्रालय को प्रस्तुत करते हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इस तरह की विस्तृत कार्रवाई के आधार पर और सचिव, जनजातीय कार्य मंत्रालय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर की समिति (एनएलसी) के अनुमोदन से निधियां प्रदान की जाती हैं।

(घ) : जी नहीं। विरासत स्थलों का संरक्षण, रखरखाव और सुधार मंत्रालय का विषय मामला नहीं है।

*****